मध्य प्रदेश में कुष्ठ रोगियों की सेवा में संलग्न स्वयं-सेवी संगठन

2458. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अक्तूबर, 1985 में दिल्ली में आयोजित कुष्ठ रोग संबंधी सम्मेलन में भाग लेने के लिये, मध्य प्रदेश में कुष्ठ रोगियों की सेवा में संलग्न किन-किन स्वयंसेवी संगठनों को आमंत्रित किया गया ; और

(ख) कुष्ठ रोगियों की सेवा में संलग्न किन-किन स्वयंसेवी संगठनों को केन्द्रीय सरकार से कितनी-कितनी वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है ?

परिवार कल्याण विभाग में उपमंत्री (श्री कृष्णकुमार) : (क) मध्य प्रदेश के जिन स्वेच्छिक संगठनों को स्वेच्छिक संगठनों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, उनके नाम विवरण-I में दिए गए हैं ।

(ख) केन्द्रीय सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले स्वेच्छिक संगठनों के नाम विवरण-II में दिए गए हैं ।

विवरण-I

उन स्वेच्छिक संगठनों के नाम जिन्हें स्वेच्छिक संगठनों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

1. कुष्ठ राहत सोसाइटी 28/596, लखेनगर, रायपुर—492001

2. आशा ग्राम ट्रस्ट, बडवानेट ।

3. पुष्पा अस्पताल, डाली राझरा, जिला-दुर्ग

4. बैथेस्डा कुष्ठ अस्पताल एवं गृह, डाकखाना-चम्पा जिला-बिलासपुर

5. भारतीय कुष्ठ निवारक संघ डाकखाना—चम्पा जिला-बिलासपुर

6. हन्डरसन स्मारक कुष्ठ गृह एवं अस्पताल, डाकखाना एवं जिला-धार

7. स्वामी विवेकानंद कुष्ठ मुक्ति-आश्रम, मार्फत भारत समाज सेवा, कैम्प नं० 1, डाकखाना-भिलाईनगर, जिला-दुर्ग

8. चंदपुरी कुष्ठ गृह एवं अस्पताल, राइतलपुर ।

विवरण-II

1984-85 के दौरान कुष्ठ सर्वेक्षण शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्रों हेतु सहायता अनुदान प्राप्त कर रहे स्वेच्छिक संगठनों की सूची :

संगठन का नाम :

आन्ध्र प्रदेश

1. हिन्द कुष्ठ निवारण संघ, करीम नगर

2. कुष्ठ मिशन, अस्पताल, विजयनगरम

3. फिलेडेलफिया कुष्ठ अस्पताल, विजयनगरम

बिहार

4. संथाल पहाड़िया सेवा मंडल, वैद्यनाथ; देवघर (बिहार)

5. राजेन्द्र कुष्ठ नियन्त्रण एवं अनुसंधान संस्थान मैरवा (सिवान)

6. कुष्ठ सेवा समिति, कपासिया

7. गान्धी कुष्ठ निवारण प्रतिष्ठान, रोहतास

8. भारत सेवाश्रम संघ, जमशेदपुर

9. वनवासी सेवा केन्द्र, अघोरा, (बिहार)—

गुजरात

10. बड़ौदा जिला कुष्ठ रोगी संस्था

महाराष्ट्र

11. बदाला कुष्ठ अस्पताल, बदाला

12. कोठारा कुष्ठ अस्पताल, अमरावती

13. अहमद नगर जिला कुष्ठ सहायता संस्था, अहमदनगर

14. महारोगी सेवा समिति, अन्ता-पुर (वर्धा)

15. हिन्द कुष्ठ निवारण संघ

16. हेथोर्नथवेट स्मारक कुष्ठ सेवा, कागल

केरल

17. डेमियन कुष्ठ संस्थान, त्रिचूर

18. पुथ्रर लेप्रोसी अस्पताल, सेरा-तल्ली

तमिलनाडु

19. क्रिशिचयन फैलोशिप लेप्रोसी अस्पताल

20. रथकुप्पम हेनरी जैकः ग्रामीण केन्द्र

21. दयापुरम कुष्ठ केन्द्र, मनामदुरई

22. कुम्बाकनम हिन्दू मिशन अस्पताल, कुम्बाकनम ।

23. पूर्वाचल सेवा संस्थान

मध्य प्रदेश

24. चन्दकुरी कुष्ठ गृह एवं अस्पताल, रेतालपुर

पश्चिम बंगाल

25. बांकुरा कुष्ठ अस्पताल

26. गांधी स्मारक कुष्ठ प्रतिष्ठान, बलरामपुर।

Heart treatment by dissolving the clot in the artery

2459. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether a new treatment for heart attack by dissolving the clot in the arteries was discussed in details at the national workshop held in New Delhi during the third week of September, 1985;

(b) what decisions were arrived in the workshop; and

(c) if so, what is the number of patients who were treated in the workshop?

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE (SHRI KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) The following conclusions were arrived at:—

(1) Thrombolytic Therapy (clot dissolving treatment) mark a significant advance in the treatment of acute heart attack since the advent of coronary care units in early sixties when the mortality rate (in hospital death rate) was reduced to some extent. There is evidence that with this new treatment the death rate can be reduced from 25—30 per cent to about 8 per cent.

(2) There is definite improvement in the function of the heart during the following 1½ years.

(3) Younger patients benefit most during their first heart attack.

(4) After the Thrombolytic Therapy, status of coronary arteries becomes better than before heart attack.

(5) After this Therapy need for bypass surgery is reduced or in some cases useful time is gained. Bypass surgery if required after this Therapy, becomes simpler.

(6) Post-Attack complications are usually absent after this Therapy.

(7) More studies with coronary angiography before and after the Thrombolytic Therapy and late follow-up are indicated.

(c) No patient was treated in the workshop.

Grant given to the Bureau for the promotion of Urdu

2460. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the quantum of grant given to the Bureau for promotion